

GABRIELA

otra tipografía libre de “Google”

देवनागरी

अन्य फ़ॉन्ट मुक्त “गूगल”

अे अ आ इ ई उ ऊ ऋ लृ एँ ऐ ए
ऐ औ ओ औ क ख ग घ ङ च
छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ण त थ द ध
न ण प फ ब भ म य र ॠ ल ऌ ड
व श ष स ह ा ाँ ाँ ाँ ाँ ाँ ाँ
क ख ग ज ड ढ फ य ऋ लृ अँ अँ
आ औ अु अु ज़ ष ग ज ड ब

Hamburgevontpids
दैव पूंजी वास्ते दयालुता

यूनिकोड क्या है?

यूनिकोड प्रत्येक अक्षर के लिए एक विशेष नम्बर प्रदान करता है,
चाहे कोई भी प्लैटफॉर्म हो,
चाहे कोई भी प्रोग्राम हो,
चाहे कोई भी भाषा हो।

कम्प्यूटर, मूल रूप से, नंबरों से सम्बंध रखते हैं। ये प्रत्येक अक्षर और वर्ण के लिए एक नंबर निर्धारित करके अक्षर और वर्ण संग्रहित करते हैं। यूनिकोड का आविष्कार होने से पहले, ऐसे नंबर देने के लिए सैंकड़ों विभिन्न संकेत लिपि प्रणालियां थीं। किसी एक संकेत लिपि में पर्याप्त अक्षर नहीं हो सकते हैं : उदाहरण के लिए, यूरोपिय संघ को अकेले ही, अपनी सभी भाषाओं को कवर करने के लिए अनेक विभिन्न संकेत लिपियों की आवश्यकता होती है। अंग्रेजी जैसी भाषा के लिए भी, सभी अक्षरों, विरामचिह्नों और सामान्य प्रयोग के तकनीकी प्रतीकों हेतु एक ही संकेत लिपि पर्याप्त नहीं थी।

ये संकेत लिपि प्रणालियां परस्पर विरोधी भी हैं। इसीलिए, दो संकेत लिपियां दो विभिन्न अक्षरों के लिए, एक ही नंबर प्रयोग कर सकती हैं, अथवा समान अक्षर के लिए विभिन्न नम्बरों का प्रयोग कर सकती हैं। किसी भी कम्प्यूटर (विशेष रूप से सर्वर) को विभिन्न संकेत लिपियां संभालनी पड़ती है; फिर भी जब दो विभिन्न संकेत लिपियों अथवा प्लैटफॉर्मों के बीच डाटा भेजा जाता है तो उस डाटा के हमेशा खराब होने का जोखिम रहता है।

यूनिकोड से यह सब कुछ बदल रहा है!

यूनिकोड, प्रत्येक अक्षर के लिए एक विशेष नंबर प्रदान करता है, चाहे कोई भी प्लैटफॉर्म हो, चाहे कोई भी प्रोग्राम हो, चाहे कोई भी भाषा हो। यूनिकोड स्टैंडर्ड को ऐपल, एच.पी., आई.बी.एम., जस्ट सिस्टम, माइक्रो-सॉफ्ट, औरेकल, सैप, सन, साईबेस, यूनिसिस जैसी उद्योग की प्रमुख कम्प

नियों और कई अन्य ने अपनाया है। यूनिकोड की आवश्यकता आधुनिक मानदंडों, जैसे एक्स.एम.एल., जावा, एकमा स्क्रिप्ट (जावा स्क्रिप्ट), एल.डी.ए.पी., कोर्बा 3.0, डब्ल्यू.एम.एल. के लिए होती है और यह आई.एस.ओ./आई.ई.सी. 10646 को लागू करने का अधिकारिक तरीका है। यह कई संचालन प्रणालियों, सभी आधुनिक ब्राउजरों और कई अन्य उत्पादों में होता है। यूनिकोड स्टैंडर्ड की उत्पत्ति और इसके सहायक उपकरणों की उपलब्धता, हाल ही के अति महत्वपूर्ण विश्वव्यापी सॉफ्टवेयर टेक्नीलॉजी रुझानों में से हैं।

यूनिकोड को ग्राहक-सर्वर अथवा बहु-आयामी उपकरणों और वेबसाइटों में शामिल करने से, परंपरागत उपकरणों के प्रयोग की अपेक्षा खर्च में अत्यधिक बचत होती है। यूनिकोड से एक ऐसा अकेला सॉफ्टवेयर उत्पाद अथवा अकेला वेबसाइट मिल जाता है, जिसे री-इंजीनियरिंग के बिना विभिन्न प्लैटफॉर्मों, भाषाओं और देशों में उपयोग किया जा सकता है। इससे डाटा को बिना किसी बाधा के विभिन्न प्रणालियों से होकर ले जाया जा सकता है।

यूनिकोड कन्सॉर्शियम के बारे में

यूनिकोड कन्सॉर्शियम, लाभ न कमाने वाला एक संगठन है जिसकी स्थापना यूनिकोड स्टैंडर्ड, जो आधुनिक सॉफ्टवेयर उत्पादों और मानकों में पाठ की प्रस्तुति को निर्दिष्ट करता है, के विकास, विस्तार और इसके प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। इस कन्सॉर्शियम के सदस्यों में, कम्प्यूटर और सूचना उद्योग में विभिन्न निगम और संगठन शामिल हैं। इस कन्सॉर्शियम का वित्तपोषण पूर्णतः सदस्यों के शुल्क से किया जाता है। यूनिकोड कन्सॉर्शियम में सदस्यता, विश्व में कहीं भी स्थित उन संगठनों और व्यक्तियों के लिए खुली है जो यूनिकोड का समर्थन करते हैं और जो इसके विस्तार और कार्यान्वयन में सहायता करना चाहते हैं।

अधिक जानकारी के लिए, शब्दावली, तकनीकी परिचय और उपयोगी स्रोत देखिए।

कुलसचिव के पत्र से कालेज पूधानाचार्य असंतुष्ट

स्पष्ट कर देने के बाद डीयू पर दबाव बढ़ गया है। कालेज एसोसिएशन द्वारा डीयू और यूजीसी के बीच दाखिला संबंधी दिशा निर्देश को लेकर विरोधाभास की बात सामने आने पर आनन-फानन में डीयू की कुलसचिव ने कालेजों को यूजीसी द्वारा और जून को भेजे गए पत्र को ही बढ़ा दिया है। इसमें डीयू की तरफ से अतिरिक्त आदेश नहीं दिया है। इस पत्र से डीयू के कालेजों से कई प्रिंसिपल असंतुष्ट हैं। प्रिंसिपलों का कहना है कि यह पत्र भ्रामक है और इसमें डीयू की तरफ से न कोई आदेश है और न ही कोई पक्ष।

1 कालेजों के प्रिंसिपल को सोमवार को लिखे पत्र में कुलसचिव ने लिखा है, मुझे यूजीसी के सचिव से दिनांक 22 जून, 2014 के आदेश से महाविद्यालयों को भेजे गए सम-संख्यक और सम दिनांकित पत्र को प्रेषित करने का निर्देश प्राप्त हुआ है जो स्वतः स्पष्ट है। इस संबंध में कालेजों के प्रिंसिपलों का कहना है कि इस पत्र से कोई समाधान नहीं निकला है। ऐसे समय में डीयू को स्पष्ट रुख अख्तियार करना चाहिए। 1 इधर, सोमवार की दीपहर को डीयू की वेबसाइट से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (एफवाईयूपी) स्टेटस की जगह स्नातक पाठ्यक्रम (यूजी) लगा दिया है। हालांकि, वेबसाइट के अन्य पेज पर यह बदलाव नहीं किया गया है।

यूजीसी के कड़े रुख के बाद
दबाव में

FROM ARGENTINA

डीयू ने वेबसाइट पर
एफवाईयूपी के स्थान पर
लिखा यूजी राज्य ब्यूरो, नई
दिल्ली : 2014

कड़े फैसलों की मजबूरी संसद के बजट सत्र की तिथियों की घोषणा के साथ ही आम जनता की रेल बजट और आम बजट से उम्मीदें बढ़ जाना स्वाभाविक हैं। महंगाई से त्रस्त जनता यह चाहेगी कि बजट घोषणाएं उसके लिए कोई राहत की खबर लेकर आएँ, लेकिन कटु सच्चाई यह है कि मौजूदा आर्थिक हालात में सरकार चाहकर भी जनता को राहत देने की स्थिति में नहीं। यह सही है कि सरकार तेजी से काम करने के साथ बिगड़ी चीजों को बनाने के लिए अतिरिक्त श्रम कर रही है, लेकिन ऐसा लगता नहीं कि वह आर्थिक हालात सुधारने के साथ कोसने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है, लेकिन देश के सामने यह आना ही चाहिए कि संपूर्ण शासन ने किस तरह हालात बेकाबू हो जाने दिए। आर्थिक मोर्चे पर दुर्दशा की तस्वीर उजागर करके ही मोदी सरकार कड़े फैसलों के औचित्य को सिद्ध करने में सक्षम हो सकेगी। पिछले दिनों रेल किराये-भाड़े में वृद्धि के फैसले से जनता को इसलिए और

अधिक झटका लगा, क्योंकि सरकार ने यह फैसला लेने के पहले न तो कोई भूमिका बनाई और न ही जनता को यह बताने की जरूरत समझी कि भारतीय रेल किस तरह कंगाली की हालत

के अवसरों को पैदा करने और घाटे वाली अर्थव्यवस्था से उबरने के जो तमाम उपाय कर रही है उनके बारे में जनता को अवगत कराती चले। पिछले 20-25 दिनों में केंद्र सरकार की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में अनेक फैसले लिए गए हैं। इनमें से कुछ फैसले बेहद महत्वपूर्ण हैं और अर्थव्यवस्था को गति देने के साथ आर्थिक परिदृश्य को बदलने वाले भी हैं, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि आम जनता इन फैसलों और उनसे होने वाले लाभों के बारे में पूरी तरह परिचित है। इन स्थितियों में यह आवश्यक हो जाता है कि रेल बजट और आम बजट की तैयारियों के साथ ही सरकार की ओर से यह बताया जाए कि उसने क्या कुछ कर लिया है और क्या कुछ करने जा रही है? उसकी ओर

Buenos Aires, Argentina

16/30pt.- Grumpy wizards make toxic brew for the evil Queen and Jack. One morning, when Gregor Samsa देवनगर woke from troubled dreams, he found himself transformed in his bed into a horrible vermin. He lay on his armour like back, and if he lifted his head a little he could see his brown belly, slightly domed and divided by arches into stiff sections. कम्प्यूटर, मूल रूप से, नंबरों से सम्बंध रखते हैं। ये प्रत्येक अक्षर और वर्ण के लिए एक नंबर निर्धारित करके अक्षर और वर्ण संग्रहित करते हैं। यूनिकोड का आविष्कार हीने से पहले, ऐसे नंबर देने के लिए सैंकड़ों विभिन्न संकेत लिपि प्रणालियां थीं। किसी एक संकेत लिपि में पर्याप्त अक्षर नहीं हो सकते हैं : उदाहरण के लिए, यूरोपिय संघ को अकेले ही, अपनी सभी भाषाओं को कवर करने के लिए अनेक विभिन्न संकेत लिपियों की आवश्यकता होती है। अंग्रेजी जैसी भाषा के लिए भी, सभी अक्षरों, विरामचिन्हों और सामान्य प्रयोग के तकनीकी प्रतीकों हेतु एक ही संकेत लिपि पर्याप्त नहीं थी। El veloz murciélagos hindú उदाहरण के लिए, यूरोपिय संघ को अकेले ही, अपनी सभी भाषाओं को कवर करने के लिए अनेक विभिन्न संकेत लिपियों की आवश्यकता होती है। अंग्रेजी जैसी भाषा के लिए भी, सभी अक्षरों, विरामचिन्हों और सामान्य प्रयोग के तकनीकी प्रतीकों हेतु एक ही संकेत लिपि पर्याप्त नहीं थी। ०१२३४५६७

बिल्लियाँ



बिल्ली एक मांसाहारी स्तनधारी जानवर है। इसकी सुनने तथा सुंघने की शक्ति पूरखर है और यह कम रोशनी, यहां तक की रात में भी देख सकती हैं। लगभग 9500 वर्षों से बिल्ली मनुष्य के साथी के रूप में है। प्राकृतिक रूप से इनका जीवनकाल लगभग 15 वर्षों का होता है। [1] वर्तमान में इनकी जनसंख्या 60 करोड़ आंकी गई है।

Test File For Lohit Devanagari

One can also test Lohit Devanagari from <http://utrrs-testing.rhcloud.com/language/hi/gsub>

Created by Sneha Kore <skore AT redhat DOT com> - 2013

महाराष्ट्र शासन वर्णमाला :

स्वर : अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ ए ऐ ओ औ औ

स्वरादी : ' :

व्यंजन : क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ण् त् थ द् ध न् प् फ्
ब् भ् म् य् ल् व् श् ष् स् ह् ळ्

इतर व्यंजने : क्ष् ज्ञ्

अंक : ० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

As per Microsoft typography for Developing OpenType Fonts for Devanagari Script,
the features can be specified in the order given as :

>>Localized Forms :

<feature tag >locl : Localized form substitution

ल श ऋ ॠ ऋ ॠ

>>Basic Shaping Forms :

<feature tag > nukta : Nukta form substitution

क ख ग ज ङ ढ फ य

<feature tag> akhn : Akhand ligature substitution

क्ष ज्ञ

<feature tag> rphf : Reph form substitution

^
क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ण् त् थ द् ध न् प् फ्
ब् भ् म् य् ल् व् श् ष् स् ह् ळ्

<feature tag> pref : Rakaar form substitution

क ख ग घ च ज झ ञ ट ठ ड ढ ण् त् थ द् ध न् प् फ्
ब् भ् म् य् ल् व् श् ष् स् ह् ळ्

<feature tag> blwf : Below-base form substitution

ॠ

छ ट ठ ड ढ ण्

<feature tag> half: Half-form substitution

क ख ग घ ङ छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ण् त् त्थ द् ध न् प्
फ् ब् भ् म् य् ल् व् श् स् ह् ल्ळ् क्ष् ज्ञ्

<feature tag> cjet : Conjunct form substitution

ॠ ॡ ॢ ॣ । ॥ ०

>>Mandatory Presentation forms :

<feature tag> pres : Pre-base substitution

ff

कि खि गि घि डि चि छि जि झि जि टि ठि डि ढि णि ति थि दि धि नि पि
फि बि भि मि यि रि लि वि शि षि सि हि लि क्षि झि

किं खिं गिं घिं डिं चिं छिं जिं झिं जिं टिं ठिं डिं ढिं णिं तिं थिं दिं धिं निं पिं

फिं बिं भिं मिं यिं रिं लिं विं शिं षिं सिं हिं लिं क्षिं जिं

किं खिं गिं घिं ङिं चिं छिं जिं झिं ञिं टिं ठिं डिं ढिं णिं तिं थिं दिं धिं निं पिं

फिं बिं भिं मिं यिं रिं लिं विं शिं षिं सिं हिं लिं क्षिं जिं

श्री ञि झ्झ ङ्ङि ञ्णि ञ्ञि ङं ङि ङ्गि ङ्गि ङि ङि ङि ङि ङि ङि ङि ङि ङि ङि

ढ्हि ढ्यि ग्नि ह्यि नि ह्वि ह्लि ह्रि ह्यि

ल्लि त्रि ज्ञि ज्ञि सि श्वि श्वि श्लि श्वि षि षि क्ति त्ति द्वि द्वि ल्यि द्वि द्वि ल्यि त्ति

गि कि कि

[illegible]

न न्न न्न ह न्न ह्य

ल न्न ञ्ज झ स श्च श्न श्ल शु ष ष क्त त दृ ढ्ढ ट्य ढ्ढ ण्य

<feature tag> abus : Above-base substitution

١ ٢ ٣ ٤ ٥ ٦ ٧ ٨

के खे गे घे ङे चे छे जे झे जे टे ठे डे ढे णे ते थे दे धे ने पे फे बे भे मे
ये रे ले वे शे षे से हे ले क्षे ज्ञे

कै खै गै घै डै चै छै जै झै ञै टै ठै डै ढै णै तै थै दै धै नै पैं फैं बें भैं में
यैं रैं लैं वैं शैं षैं सैं हैं ळैं क्षैं झैं

कै खै गै घै ङै चै छै जै झै ञै टै ठै डै ढै णै तै थै दै धै नै पैं फैं बें भैं मैं
यैं रैं लैं वैं शैं षैं सैं हैं ळैं क्षैं झैं

कै खै गै घै डै चै छै जै झै जै टै ठै डै ढै णै तै थै दै धै नै पै फ़ै बै भै मै
यै रै लै व़ै शै षै सै ह़ै ळै क्षै झै

कै खै गै घै ङै चै छै जै झै ञै टै ठै डै ढै णै तै थै दै धै नै पै फैं बें भें में
यें रें लें वें शें षें सेँ हें ळैं क्षैं झैं

ਕੀ ਖੀ ਗੀ ਧੀ ਡੀ ਚੀ ਈ ਜੀ ਝੀ ਞੀ ਟੀ ਠੀ ਡੀ ਠੀ ਣੀ ਟੀ ਥੀ ਡੀ ਧੀ ਨੀ ਪੀ

फो बी भी मो यो रो लो वो शो षो सो हो लो क्षो

कों खों गों घों ङों चों छों जों झों ञों टों ठों डों ढों णों ताँ थों दाँ धों नाँ पाँ

फों बों भों मों यों रें लों वों शों षों सों हों ळों क्षों

कौ खौ गौ घौ डौ चौ छौ जौ झौ ञौ टौ ठौ डौ ढौ णौ तौ थौ दौ धौ नौ पौ

फौ बौ भौ मौ यौ रौ लौ वौ शौ षौ सौ हौ ळौ क्षौ

कों खों गों घों ङों चों छों जों झों ञों टों ठों डों ढों णों तों थों दों धों नों पों

फॉ बॉ भौ मौ यौ रौ लौ वौ शौ षौ सौ हौ ळौ क्षौ

<feature tag> abvs : Below-base substitution

ॐ नमः शिवाय नमः
 ॐ नमः शिवाय नमः
 ॐ नमः शिवाय नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

<feature tag> psts : Post-base substitution

١ ٢

की खी गी घी डी ची छी जी झी जी टी ठी डी ढी णी ती थी दी धी नी पी
फी बी भी मी यी री ली वी शी षी सी ही ली क्षी ज्ञी
की खीं गीं घीं डीं चीं छीं जीं झीं जीं टीं ठीं डीं ढीं णीं तीं थीं दीं धीं नीं पीं
फीं बीं भीं मीं यीं रीं लीं वीं शीं षीं सीं हीं लीं क्षीं ज्ञीं

<feature tag> haln : Halant form substitution

क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ण त थ द ध न प फ ब भ म
य ल व श ष स ह ळ क्ष ज्ञ
य

Glyph Testing Section :

क्वि द्वि द्विट झि ड्हि ड्हि श्रि ह्रि ह्रि स्त्रि ग्नि त्त शृ ख्वी ख्वी ख्वी कौ किं द्दु

द्व दृ किं क्ल खि ख्वि ग्नि कीं ह्नि

य

विदर्भ

शिक्षक असावेत "बेस्ट ऑफ दी ब्रेन्स"

परदेशी विद्यार्थ्यांसाठी केवायसी नियम शिथिल

तंटामुक्तीतील ८७ जिल्ह्यांना पुरस्कार रकमेची प्रतीक्षा

ॐ ५ ५ ५ ५ ५ ५

अधिकारी

अश्वमेध अश्विनी अस्मिता

पैश्याच्या

मुंब्रूयात

मुंब्रा

बूय

खै

रूह रूय

रूक

द्वय

२॥